30. अपठित बोध

अ + पठित अर्थात् जो पहले न पढ़ा गया हो। ऐसे गद्यांश या पद्यांश जिन्हें छात्रों ने पहले अपनी पाठ्य पुस्तकों में न पढ़ा हो, अपठित बोध कहलाते हैं। अपठित के अंतर्गत कहानी, भाषण, कविता, सार आदि के अंश दिए जाते हैं। इस प्रकार के अभ्यासों द्वारा छात्रों की स्वयं पढ़कर समझने की क्षमता को जाँचा जाता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को अपठित बोध के उदाहरण पढ़वाएँ तथा उस पर आधारित प्रश्न-उत्तर भी पढ़वाएँ।
- ❖ बताएँ, अपठित बोध पाठ्यपुस्तकों से अलग अंश होते हैं। इनका उद्देश्य स्वयं समझने-परखने पर आधारित होता है।
- ❖ अपठित बोध के उत्तर देते समय गद्यांश-काव्यांश को दो-तीन बार पढ़ना चाहिए।
- ❖ उत्तर अपनी भाषा में तथा सटीक देने का प्रयास करना चाहिए।
- ❖ बताएँ, गद्यांश-काव्यांश में ही प्रश्नों के उत्तर होते हैं। अतः गद्यांश-काव्यांश का भाव भली-भाँति समझना चाहिए।
- ❖ विकल्पों वाले अंशों के उत्तर चुनते समय सबसे उपयुक्त विकल्प का चुनाव करना चाहिए।
- ❖ अभ्यास करवाएँ तथा जाँचें।